कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 9 सितंबर 2020 www.mgncre.org

"स्थानीय भाषा में निहित होना महत्वपूर्ण है - शिक्षा मंत्रालय शास्त्रीय, आदिवासी और लुप्तप्राय सहित सभी भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रयास करेगा" - केंद्रीय कैबिनेट शिक्षा मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

अगस्त 2020 में भारत सरकार द्वारा लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए बच्चों को किसी की संस्कृति में धरातल पर लाने में शिक्षा की भूमिका को दोहराते हुए **'जड और जग'** उपमा पर जोर दिया है। राष्ट्रीय नीति ने भारत की सभी अलग - अलग भाषाओं को समान बनाने के लिए एक प्रयास किया है। नीति इसे राज्यों को यह तय करने के लिए छोड़ देती है कि उन्हें अपने छात्रों को कौन सी तीन भाषाएं देनी चाहिए। तीन भाषाओं में से दो भारत की मूल भाषाएँ होनी चाहिए। संस्कृत सहित भारत की मूल भाषाओं को सीखने की गुंजाइश है। नई शिक्षा नीति में सभी स्तरों पर संस्कृत को पेश करने का प्रावधान है। संस्कृत न केवल भारतीय संस्कृति का वाहक है बल्कि एक वैज्ञानिक भाषा है जो ध्वनि के महत्व पर सभी प्रकार के मौखिक संचार का आधार है। वर्णमाला की ध्वनि, संरचना के शब्दों और व्याकरण से अक्षर का संबंध सभी संस्कृत भाषा में व्यवस्थित है। संस्कृत का अध्ययन न केवल मौखिक संचार के संदर्भ में अन्य सभी भाषाओं पर अपनी पकड़ बनाएगा बल्कि नियम आधारित व्याकरण छोटे बच्चों में तार्किक सोच को बढ़ावा देगा।

"भारत को सस्ती लागत पर प्रीमियम शिक्षा प्रदान करने वाले वैश्विक अध्ययन गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। उच्च प्रदर्शन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों को अन्य देशों में परिसर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, और इसी तरह, चुनिंदा विश्वविद्यालयों को भारत में काम करने की सुविधा दी जाएगी।

74 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह सभी राज्यों में एक महत्वपूर्ण घटना था क्योंकि देश में कोविड 19 महामारी और उसके बाद के दुष्परिणाम बाहयुद्ध हैं। **अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार** ने इस अवसर पर अपने आभासी संबोधन में स्वच्छ भारत, ग्रामीण समुदाय कार्य और नई तालीम गतिविधियों पर जोर देते हुए राष्ट्र निर्माण का आह्वान किया। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक नई गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रणाली लाएगी जो भविष्य की चुनौतियों को अवसरों में बदल सकती है, जिससे एक नए भारत का मार्ग प्रशस्त होगा।

छात्रों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार स्वतंत्र रूप से अपने विषयों को चुनने और व्यावसायिक विषयों में तल्लीन करने के लिए प्रोत्साहित करने पर उद्यमशीलता को गति मिलेगी। उन्हें अपनी क्षमता का एहसास करने का अवसर मिलेगा। आने वाली पीढ़ियां न केवल ऐसी क्षमताओं के बल पर रोजगार प्राप्त कर सकेंगी बल्कि दूसरों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगी। चूंकि मातृभाषा को मान्यता मिलती है, यह युवा दिमाग को मजबूत बनाने और उन्हें तेजी से प्रगति करने में मदद करेगा।

संपादक की टिप्पणी

मैं भारत के 74 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने साथी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं! वर्तमान कोविड 19 महामारी ने हमारे सभी समारोहों को बंद कर दिया है लेकिन इसने हमारी धीरज और दृढ़ता की भावना को कम नहीं किया है। जैसा कि हम कई व्यक्तित्वों के लिए अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस दिन को हमारे लिए संभव बनाया है, हम आगे के विशाल राष्ट्र निर्माण के लिए भी तत्पर हैं। **लचीलाता** एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पर्यायवाची शब्द है। कोरोना संकट के बीच, हमें कई प्राकृतिक आपदाओं का भी सामना करना पड़ा, जिन्होंने कुछ राज्यों में उत्पात मचाया है। इस तरह की आपदाओं के बीच, यह समाज के सभी वर्गों को संकट में मदद करने के लिए एक साथ आने के लिए आभारी है। हमने कई सबक सीखे हैं और खुद को पुनर्जीवित कर रहे हैं। हमारे पास समुदाय की पेशकश करने के लिए बहुत कुछ है और इन डरावने समय के बीच, सामुदायिक सहभागिता, स्वच्छता, ग्रामीण प्रबंधन, नई तालीम और सामाजिक उद्यमिता में हमारा योगदान सभी अधिक विश्वसनीयता को मानता है।

मुझे गर्व है कि हमने अपने मध्य वर्ष के लक्ष्यों को लगभग हासिल कर लिया है। हमने संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभावत्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.), सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण समुदाय कार्य, और ग्रामीण प्रबंधन पर 300 स्वच्छ कार्य योजना कार्यशालाएं पूरी की हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, संकाय की आवश्यकता है जो तेजी से विकसित हो रहे सीखने के माहौल के अनुकूल हो सके। एम.जी.एन.सी.आर.ई. विभिन्न अग्रणी गतिविधियों के लिए अग्रदूत है, जिसमें व्यावासायिक शिक्षा (आर्थिक मूल्य के साथ उत्पादक कार्य) नई तालीम और अनुभावत्मक शिक्षण (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) गतिविधियाँ शामिल हैं।
गांधीजी की नई तालीम पाठ्यक्रम व्यावसायिक और प्रायोगिक ज्ञान गतिविधियों में भाग लेकर तीन एच (हेड, हार्ट और हैंड) पर प्राप्त कौशल और ज्ञान के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षण की दृष्टि और दर्शन को समझने पर केंद्रित है। कार्यप्रणाली छात्र शिक्षक के लिए प्रासंगिक रूप से उपयुक्त कार्य गतिविधियों को तैयार करने में मदद करती है; शिक्षक शिक्षा में स्थानीय सामुदायिक सहभागिता से संबंधित पहलुओं की पहचान करना; और उद्यम शीलता और आत्म निर्भरता के लिए कला के शिल्प की खोज करना। प्रतिभागियों को गंभीर रूप से प्रतिबिंबित कर सकते हैं, अनुभवात्मक सीखने / कार्य शिक्षा पर छात्रों को आजीवन शिक्षा बनाने में मदद करेंगे। अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य अच्छी तरह से महसूस किया जाता है। नई तालीम का मार्गदर्शक सिद्धांत यह है - **"शिक्षा और कार्य को अलग नहीं किया जा सकता है और कार्य, अनुसंधान, योगदान, रचनात्मक और महत्वपूर्ण सोच कौशल के बिना, हम नया ज्ञान नहीं बना सकते हैं।"**

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मैं भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने देश को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं! एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण कार्य कक्ष कार्य योजना (एस.ई.एस. आर.ई.सी.) को स्वच्छ रैंक उच्च शिक्षा संस्थानों में बनाने के लिए भी दिया है।

मातृभाषा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का जोर सभी के लिए गर्व का क्षण है। हम किसी भी एक भाषा या कई भाषाओं को सीख सकते हैं। लेकिन जीवन की भाषा, काम की भाषा और लाखों लोगों की आजीविका की भाषा मातृभाषा है। आजादी के बाद पहली बार, भारत काम के संबंध में और शिक्षा के रूप में भी काम कर रहा है। इसने लोगों की काम की भाषा को शिक्षा की भाषा बनाया है। यह शिक्षा पर एक सौ प्रतिशत छात्र उन्मुख और छात्र केंद्रित एकीकृत राष्ट्रीय नीति है और अब तक सबसे अधिक भारत केंद्रित और ग्रामीण केंद्रित नीति है। यह कक्षा 6 से काम सीखने का अवसर प्रदान करता है और हमारे नागरिकों को रोजगार प्रदाता बनाते हुए व्यावसायिक शिक्षा देता है। यह हमें बड़े गर्व के साथ **आत्मनिर्भर भारत** की ओर अग्रसर करता है।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

"आधुनिक भारत में गाँधीवादी विचार की प्रासंगिकता", नई तालीम, स्वच्छता, श्रम की गरिमा, सर्वोदय समाज को शामिल करते हुए... ..

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाषण दिया।

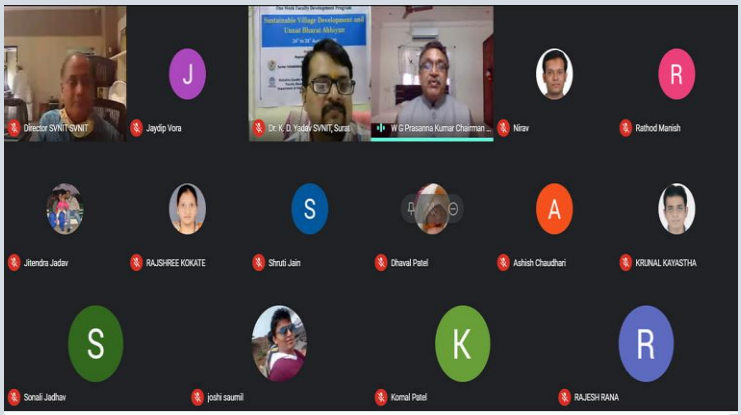

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एस.वी.एन.आई.टी.), सूरत के सहयोग से 24 अगस्त से 28 अगस्त, 2020 तक एक सप्ताह के लिए सतत ग्राम विकास और उन्नत भारत अभियान के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने किया। एफ.डी.पी. ने सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन, संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कार्य, स्वच्छ कार्य योजना (एस.ए.पी.), जल शक्ति और अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक-विश्वविद्यालय कार्य, सलाह, सिंचाई दक्षता सुधार, सुविधा कौशल, एम.एस.एम.ई., ग्रामीण तल्लीनता के बारे में जानकारी पर व्याख्यान को संबोधित किया। और समुदायिक कार्य, उन्नत भारत अभियान के विभिन्न पहलुओं, पहल की दृष्टि सामुदायिक कार्य केस स्टडी का रोल फैसिलिटेटर, फैसिलिटेशन के चरण, समूह गतिशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व कोविड 19 और उससे आगे, और पुनरावृत्ति, पुनर्प्राप्त और खाद बनाने के लिए विधियों द्वारा व्यक्तिगत कचरा प्रबंधन।

विजयनगर श्री कृष्ण देवराय विश्वविद्यालय, कर्नाटक के माननीय कुलपति, प्रो. सिद्दू पी. अलगुर ने 28 अगस्त को व्यवसाय प्रबंधन विभागों के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने आत्म निर्भरता पर जोर दिया।

--

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के माननीय कुलपति, प्रो. आर.ए. गुप्ता ने ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में 25 अगस्त 2020 को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्य और संकाय को उद्घाटन भाषण दिया।

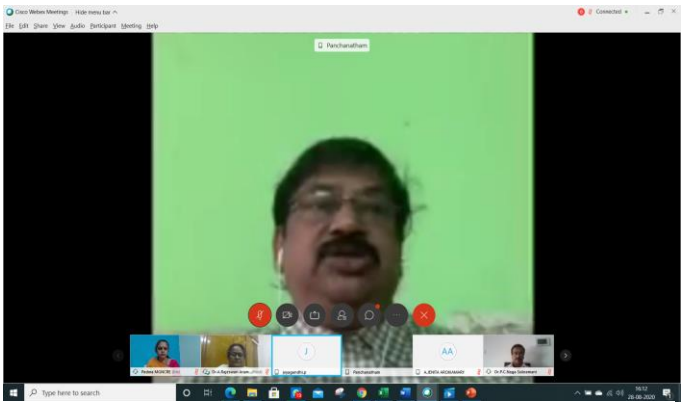

"कल एक प्रतिस्पर्धी दुनिया नहीं होगी, यह एक सहयोगी दुनिया होगी" तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय (टी.एन.टी.ई.यू.) के माननीय कुलपति प्रो. एन. पंचनाथम ने कहा कि उन्होंने वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा) में एक ऑनलाइन कार्यशाला में सत्कार भाषण दिया। 28 अगस्त को शिक्षा के संबद्ध कॉलेजों के 100 से अधिक प्रधानाचार्यों के लिए कार्य योजना। उन्होंने मौजूदा महामारी जैसी अप्रत्याशित संकट स्थितियों को दूर करने के लिए वैकल्पिक आजीविका कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उद्घाटन भाषण दिया और प्रो. वी. बालकृष्णन रजिस्ट्रार प्रभारी, टी.एन.टी.ई.यू. ने अध्यक्षीय भाषण दिया। प्रो. एम. गोविंदन, संकाय के डीन, टी.एन.टी.ई.यू.; डॉ. एस. मणि, प्रो. और हेड, शिक्षा, योजना और प्रशासन विभाग, टी.एन.टी.ई.यू. और डॉ. पी. सी. नागा सुब्रमणि, वी.ई.एन.टी.ई.एल.- संयोजक, टी.एन.टी.ई.यू. ने भी इस अवसर पर बात की।

27 अगस्त 2020 को कर्नाटका विश्वविद्यालय, धारवाड़ के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों के लिए ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला।

व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभावत्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) 27 अगस्त को डी.आई.ई.टी. बागपत (उत्तर प्रदेश) में कार्यशाला

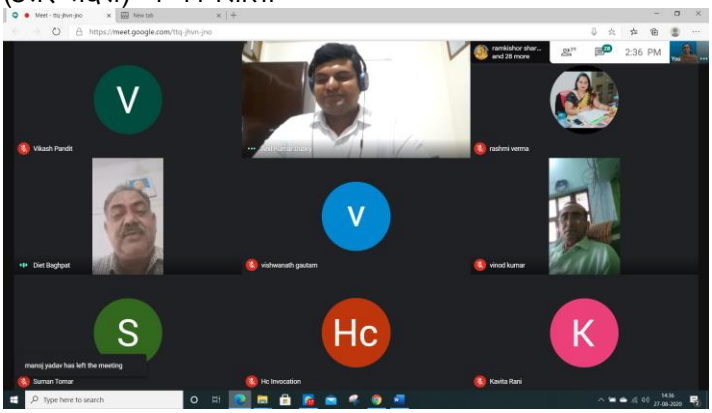

--

केरल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, डॉ. वी.पी. महादेवन पिल्लई ने 26 अगस्त को केरल विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और संकायों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

भारतीय विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु के माननीय कुलपति, प्रोफेसर डॉ. पी. कालीराज ने 25 अगस्त को भारतीय विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया

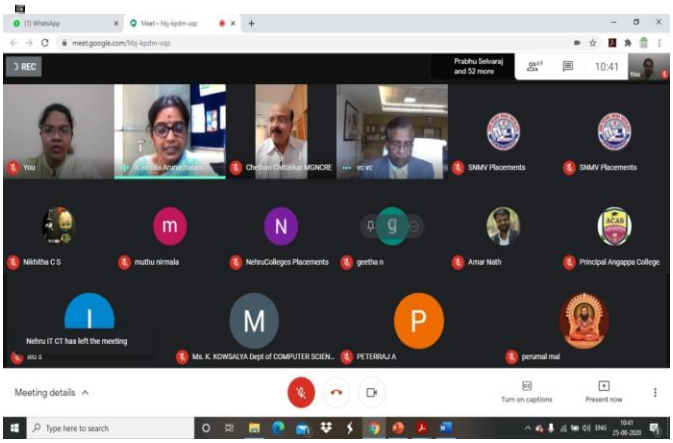

डीन, शिक्षाविद और कॉलेज विकास, प्रो. (डॉ.) आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के विकास चावला ने 25 अगस्त को एक ऑनलाइन स्वच्छता कार्य योजना कार्यशाला में संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को संबोधित किया।

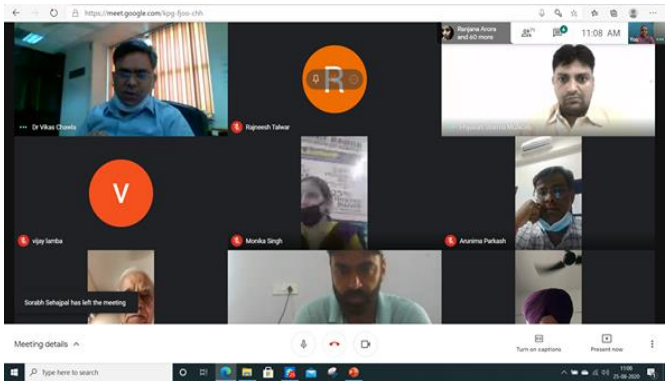

--

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जी.टी.यू.), गुजरात के माननीय कुलपति, डॉ. नवीन शेठ ने 25 अगस्त 2020 को गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

--

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय (डी.बी.ए.एम.यू.), महाराष्ट्र के माननीय कुलपति, डॉ. प्रमोद जी येओल ने अगस्त 24 को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

विक्रम सिम्हपुरी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सुदर्शन राव ने स्वच्छ भारत एक्शन प्लान 19 अगस्त को एक ऑनलाइन कार्यशाला में संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों को उद्घाटन भाषण दिया। श्री एम. एम. नायक, भा.प्र.से. द्वारा विशेष संबोधन- महाविद्यालय शिक्षा के विशेष आयुक्त, ए.पी.

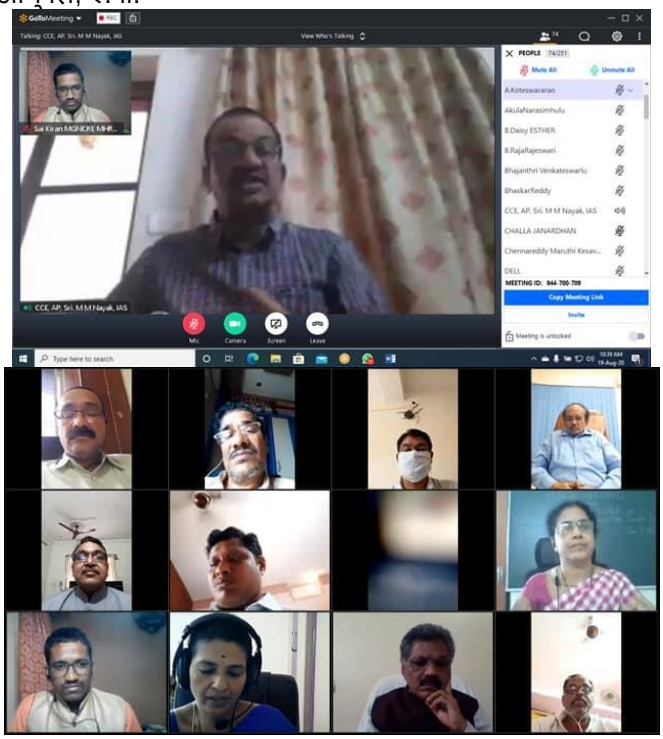

--

डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कोना रामजी ने स्वच्छता एक्शन प्लान 19 अगस्त को एक ऑनलाइन कार्यशाला में संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों को उद्घाटन भाषण दिया।

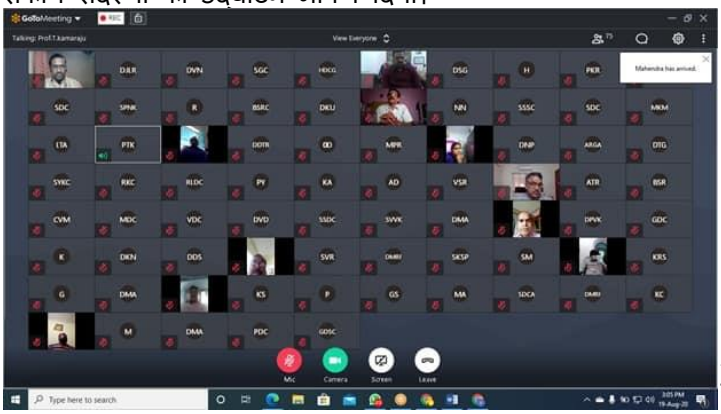

--

माननीय कुलपति डॉ. पी. श्याम प्रसाद डॉ. एन. टी. आर. यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज ने डॉ. एन. टी. आर. यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और संकाय सदस्यों को स्वछता कार्य योजना 21 अगस्त को एक ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. के. शंकर रजिस्ट्रार ने प्रोत्साहित किया संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों ने स्वच्छता कार्य योजना गतिविधियों को अंजाम दिया और यह भी निर्दिष्ट किया कि डॉ. एन.टी.आर. विश्वविद्यालय सभी संबद्ध कॉलेजों में एस.ए.पी. लागू करने के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में उभरेगा।

--

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (एस.पी.पी.यू.), महाराष्ट्र के माननीय कुलपति, डॉ. नितिन आर. करमलकर ने 21 अगस्त को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

--

डी.आई.ई.टी. फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) ने वी.ई.एन.ती.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा - नई प्रशिक्षण - अनुभव शिक्षा) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया

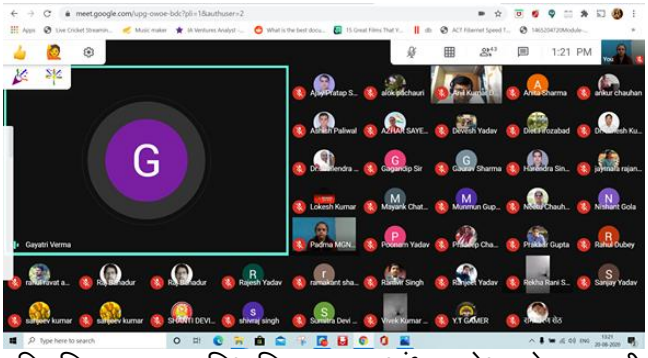

आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के माननीय कुलपति, प्रो. एम. जगन्नाथ राव ने 19 अगस्त को आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

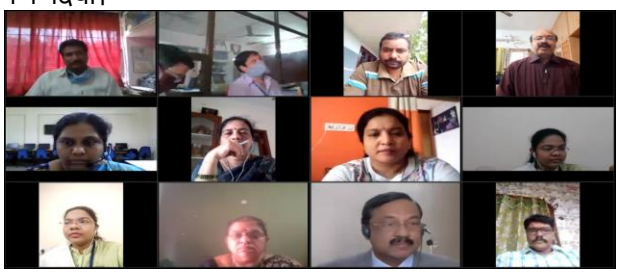

माननीय कुलपति, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डी.डी.यू.जी.यू.), प्रो. विजय कृष्ण सिंह ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

--

माननीय कुलपति, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा (डी.बी.आर.ए.यू.), प्रो. अशोक मित्तल ने 19 अगस्त को डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय से संबद्ध व्यवसाय प्रबंधन संस्थानों के प्राचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

मैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक के माननीय कुलपति, डॉ. पालले सुब्रहमण्य यदपदित्या ने 17 अगस्त को मैंगलोर विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की संभावनाओं को उजागर करने और रोजगार सृजन के लिए सक्षम शिक्षा पर जोर दिया।

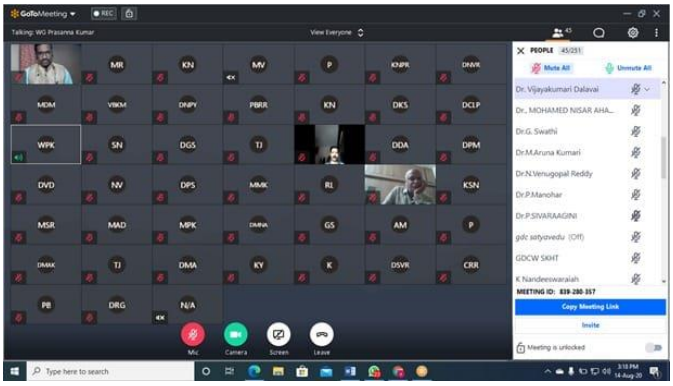

.

प्रो. बी. रामचंद्र रेड्डी, डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी ने संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को स्वच्छ कार्य योजना 14 अगस्त को एक ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

--

योगी वेमना यूनिवर्सिटी, कडप्पा, ए.पी. के माननीय कुलपति प्रो. एम. सूर्य कलावती ने 14 अगस्त को स्वच्छता कार्य योजना पर ऑनलाइन कार्यशाला में संबद्ध कॉलेजों के 73 प्रधानाचार्यों को उद्घाटन भाषण दिया। अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. और प्रोफेसर डी. विजय राघव प्रसाद, रजिस्ट्रार, योगी वेमना विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्र प्रदेश ने भी स्वच्छ गतिविधियों के महत्व पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रो. चंद्रमती शंकर, डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल, योगी वेमना यूनिवर्सिटी, कडप्पा, आंध्र प्रदेश ने कार्यशाला की सुविधा प्रदान की।

epaper.eenadu.net

స్వచ్ఛత.. అమలు విద్యాసంస్థల బాధ్యత

ఆన్‌లైన్ కార్యశాలలో వీసీ ఆచార్య సూర్యకళావతి

అంతర్జాల కార్యశాలలో పాల్గొన్న వీసీ, రిజిస్ట్రార్

Date : 15/08/2020 EditionName : ANDHRA PRADESH(KADAPA) PageNo : Page 02

माननीय कुलपति प्रो. एम. जगन्नाथ राव आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, राजमहेंद्रवरम ने 14 अगस्त, 2020 को संबद्ध कार्यशाला के प्रधानाचार्यों को उद्घाटन भाषण दिया, आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, राजमहेंद्रवरम के परिसर में स्वच्छ गतिविधियों के महत्व पर प्रतिभागियों को अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. और प्रो. बी. जंगा राव, रजिस्ट्रार, नन्नया विश्वविद्यालय ने स्वचछता कार्य योजना के बारे में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

--

पेरियार विश्वविद्यालय सलेम तमिलनाडु के कुलपति प्रो. डॉ. पी. कोलंदिवाल ने 14 अगस्त को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में संबद्ध कॉलेजों के स्वचछता कार्य योजना प्रधानाचार्यों को उद्घाटन भाषण दिया। स्थानीय ग्रामीण

उद्यमियों ने अपने व्यवसाय चलाने के अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया।

--

प्रो. एम. के. सुरप्पा, कुलपति, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, ने 14 अगस्त को स्वच्छता कार्य योजना के ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को दिया। उन्होंने उन्हें स्वच्छ कार्य योजना और जल शक्ति नियमावली में सुझाए गए विभिन्न क्षेत्रों के तहत कार्य करने का आग्रह किया।

डी.आई.ई.टी. अलीगढ़ (यू.पी.) ने 11 अगस्त को वी.ई.एन.टी.ई.एल. (व्यावसायिक शिक्षा - नई प्रशिक्षण - अनुभवी शिक्षा) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 50 प्रतिभागियों ने प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में भाग लिया

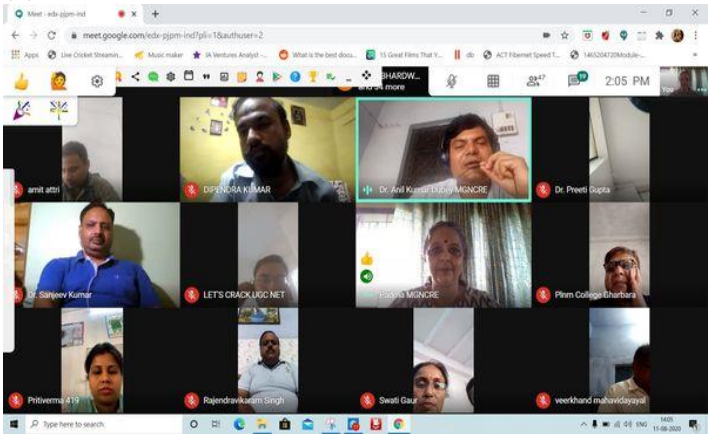

माननीय कुलपति कोटा विश्वविद्यालय, प्रो. नीलिमा सिंह ने 11 अगस्त को कोटा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

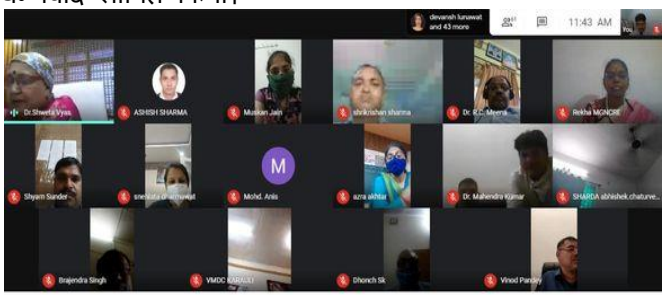

--

डॉ. चंद्रकांत एम. यतनूर, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक के कुलपति, ने 11 अगस्त को व्यवसाय प्रबंधन विभागों के साथ संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को ग्रामीण उद्यमिता विकास पर ऑनलाइन कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया। कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमिता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

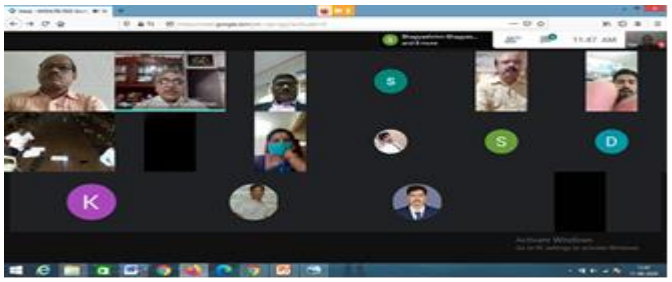

डी.आई.ई.टी. पलवल और मलाब मेवात, जी.ई.टी.टी.आई. एफ.पी. नामाक और बी.आई.टी.ई. नगीना और जाखंडी (हरियाणा) - वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशालाएं 10 अगस्त

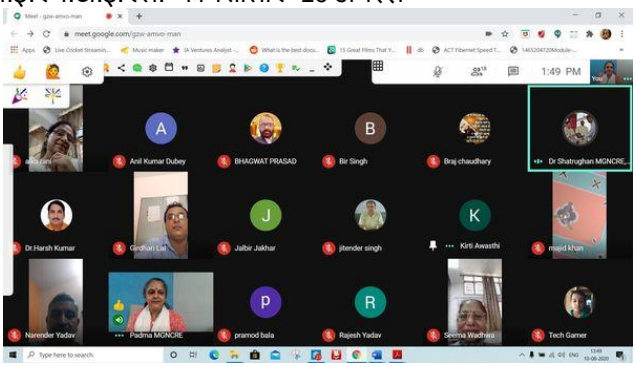

--

डी.आई.ई.टी. मथुरा वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला 10 अगस्त

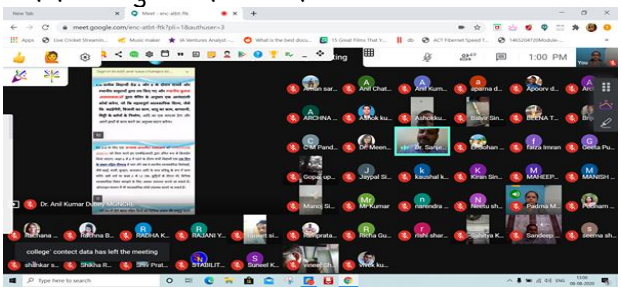

कार्यशालाओं का सार - अगस्त 2020

व्यावसायिक शिक्षा - नई प्रशिक्षण - अनुभवी शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाएँ अगस्त 2020

क्र.सं.	राज्य	जिलेवार कार्यशालाएं	दिनांक	प्रति भागियां	वी.ई.एन.टी ई.एल.कक्ष
1.	हरियाणा	सोनीपत	2/8/2020	20	1
2.	हरियाणा	यमुनानगर	4/8/2020	22	1
3.	हरियाणा	झज्जर	6/8/2020	20	1
4.	हरियाणा	फतेहाबाद	8/8/2020	30	1
5.	हरियाणा	डी.आई.ई.टी. पलवल	10/8/2020	20	5
		डी.आई.ई.टी. मालब मेवात			
		जी.ई.टी.टी.आई. एफ.पी. नमक			
		बी.आई.टी.ई. नगीना			
		बी.आई.टी.ई. जाखंडी			
6.	उ.प्र.	इटावा	4/8/2020	43	10
7.	उ.प्र.	जालौन	5/8/2020	30	21
8.	उ.प्र.	मेरठ	6/8/2020	87	24
9.	उ.प्र.	हाथरस	7/8/2020	50	29
10.	उ.प्र.	मथुरा	8/8/2020	69	49
11.	उ.प्र.	अलीगढ़	11/8/2020	54	40
12.	उ.प्र.	फिरोजाबाद	20/08/2020	56	69
13.	उ.प्र.	बागपत	27/08/2020	45	20
14.	त.ना.	टी.एन.टी.ई.यू.	24/08/2020	110	75
15.	त.ना.	टी.एन.टी.ई.यू.	28/08/2020	110	75
16.	छत्तीसगढ़	दुर्ग विश्वविद्यालय	25/08/2020	95	59
17.	छत्तीसगढ़	एस.सी.ई.आर.टी.	26/08/2020	100	38
	कुल			**961**	**518**

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण सगाई सेल एक्शन प्लान (एसईएस आरईसी) कार्यशालाएं अगस्त 2020

क्र. सं.	दिनांक	विश्वविद्यालय	प्रति भागियां	एस.ई.एस. आर.ई.एस. कक्ष
1	29-अगस्त-20	पंजाब विश्वविद्यालय	52	47
2	31- अगस्त -20	सरगुजा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़	32	28
3	31- अगस्त -20	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर	68	66
4	25- अगस्त -20	एच. ई. संस्थान	180	180
5	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	35	30
6	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	10
7	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	15
8	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	18
9	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	10
10	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	17
11	25- अगस्त g-20	महाराष्ट्र	20	17
12	25- अगस्त -20	महाराष्ट्र	20	15
13	28- अगस्त g-20	कर्नाटक	264	71
		कुल	771	524

ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) / ग्रामीण प्रबंधन (आर.एम.) कार्यशालाएँ - अगस्त 2020

क्र.सं.	दिनांक	विश्वविद्यालय	प्रतिभागियां	आर.ई.डी. आर.एम. कक्ष
1	13-अगस्त-20	पेरियार विश्वविद्यालय, टी.एन.	120	25
2	19-अगस्त-20	आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, ए.पी.	70	25
3	25-अगस्त-20	भारथिअर विश्वविद्यालय, टी.एन.	75	23
4	11-अगस्त-20	गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक	26	14
5	17-अगस्त-20	मैंगलोर विश्वविद्यालय, कर्नाटक	45	30
6	27-अगस्त-20	कर्नाटक विश्वविद्यालय, कर्नाटक	43	20
7	28-अगस्त-20	विजयनगर श्री कृष्णदेवराय वि.वि., कर्नाटक	46	19
8	5-अगस्त-20	रैफल्स विश्वविद्यालय, ओडिशा	5	1
9	11-अगस्त-20	कोटा विश्वविद्यालय, राजस्थान	66	32
10	18-अगस्त-20	लखनऊ विश्वविद्यालय, उ.प्र	26	6
11	19-अगस्त-20	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा	22	7
12	19-अगस्त-20	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर वि.वि.	129	54
13	25-अगस्त-20	राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय	120	26
14	26-अगस्त-20	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, उ.प्र	89	80
15	8-अगस्त-20	सेंचुरियन विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी और प्रबंधन (सी.यू.टी.एम.), ओडिशा	6	1
16	18-अगस्त-20	महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, के.आर.	148	66
17	19-अगस्त-20	कालीकट विश्वविद्यालय, केरल	112	35
18	21-अगस्त-20	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (एस.पी.पी.यू.), महाराष्ट्र	180	40
19	24-अगस्त-20	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय (डी.बी.ए.एम.यू.), महाराष्ट्र	22	5
20	25-अगस्त-20	गुजरात टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय (जी.टी.यू.), गुजरात	52	14
21	26-अगस्त-20	केरल विश्वविद्यालय (यु.ओ.के.), केरल	130	80
		कुल	1532	603

प्रोफेसर अमरिका सिंह, माननीय कुलपति मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ने साझा किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैसे स्वच्छ भारत के पांच क्षेत्रों में मदद कर सकता है

ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन ग्राम प्रधानों (सरपंचों) और सचिवों के साथ जयापुर ग्राम नागेपुर गाँव, ककरहिया गाँव और डोमरी गाँव में डॉ. के.के. सिंह, एन.एस.एस. कार्यक्रम समन्वयक और डॉ. पारिजात सौराह, काशी विद्यापीठ, वाराणसी के कार्यक्रम अधिकारी भी 05 अगस्त को आयोजित बैठक में उपस्थित थे

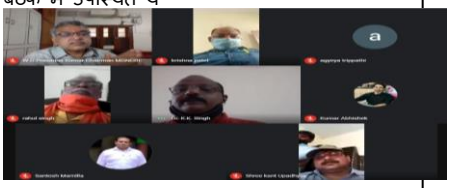

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-10-174, शक्कर भवन, फ़तेह मैदान रोड, बशीरबाग, हैदराबाद, तेलंगाना-500004
दूरभाष : 040-23212120, 23422105, फैक्स : 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी
श्री पी.सरदार सिंह, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित